बीजेपी नेता रवि तिवारी: कोरोना महामारी के दौरान भोजन की व्यवस्था

विगत वर्षो में हमने यह पाया कि एक देश, समाज और व्यक्तिगत तौर पर हमने काफी परेशानियों का सामना किया। कोरोना काल उनमे में सबसे भयावह दौर का प्रतीक था। उस संकट काल के दौरान हमने यह पाया कि देश के एक आम नागरिक के सामने रोजाना की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने की भी पहाड़ सी चुनौती थी। और उन चुनौतियों में सबसे बड़ी थी- अपने और अपने परिवार के लिए भोजन का प्रबंध करना। क्योंकि देश में लॉकडाउन लगा होने की वजह से सभी कार्यालय, कारखाने, दुकानें आदि बंद पड़े थे। जिससे देश के आम आदमी की कमाई बिलकुल भी नहीं हो पा रही थी। और इसमें भी सबसे ज्यादा तकलीफदेह स्थिति उनकी थी, जो अपने घर से बाहर रहकर रोजी-रोटी की तलाश करने दिल्ली जैसे शहरों में आये थे। ऐसे में रवि तिवारी जी और उनकी टीम ने मिलकर इस बेहद ही कठिन समय में सबसे जरूरतमंद लोगो की सहायता करने का एक छोटा सा प्रयास किया।

कोरोना महामारी ने पूरे विश्व को एक कठिन चुनौती दी, जिसका प्रभाव हर क्षेत्र में महसूस हुआ। इस संकटकाल में, हमारे समुदाय ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया और अपने साथी मनुष्यों की मदद करने के लिए एकजुट हो गए। हमने दिन-रात क्रियाशीलता दिखाई और रोजाना 200 लोगों का भोजन संगठित किया।

कोरोना महामारी ने हमें एक नई चुनौती पेश की - लोगों को सुरक्षित रखने के साथ ही उनके आवश्यक आहार की उपयुक्तता की भी देखभाल करनी थी। हमारा समुदाय इस चुनौती का सामना करने के लिए तैयार था, और हमने साथी साथ खड़े होकर इसमें सफलता पाई।

रोजाना 200 लोगों का भोजन करवाने के बारे में, यह छोटा कदम हमारे समुदाय के लोगों की मदद करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम था। यह कार्य न केवल उनके लिए एक आवश्यक सेवा प्रदान करता है, बल्कि इससे हमारे समुदाय की एकता और साथीभावना का प्रतीक भी मिलता है। हमने दिखाया कि कठिन समय में हम साथ मिलकर किसी भी समस्या का समाधान निकाल सकते हैं, और एक-दूसरे के साथ होने का संकेत दिया।

इस समय में समर्थन और सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है, और हमारे समुदाय के लोगों ने इसे साबित किया है कि सबके साथ होकर हम किसी भी मुश्किल को पार कर सकते हैं। इस सामाजिक सेवा के माध्यम से हमने दिखाया कि हम समुदाय के हित में जुट सकते हैं और मिलकर हमारे समाज को और मजबूती मिलती है।

रवि तिवारी जी और उनकी टीम ने मिलकर इस बेहद ही कठिन समय में सबसे जरूरतमंद लोगो की सहायता करने का एक छोटा सा प्रयास किया। आज स्थिति यह है कि हमने अपने जज्बे, समर्पण और संघर्ष के बलबूते कोरोना जैसे महामारी को हराने में हराने प्राप्त की। जिस चुनौती के सामने दुनिया की बड़ी-बड़ी अर्थव्यस्थाएं और शक्तिया अपने घुटने टेक चुकी थी। हमारे देश ने अपेक्षाकृत कम संसाधन के बावजूद दृढ़निश्चय और अदम्य साहस से उसका सामना किया। आज हमारे देश में सबकुछ सामान्य हो चुका है, और हमारा देश भारत इस समय विश्व की सबसे तेज गति से विकास के पथ पर अग्रसर अर्थव्यवस्था है।

धन्यवाद आपका भाई रवि तिवारी